जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(जन–सम्पर्क अनुभाग)
(प्रेस विज्ञप्ति)

डिस्कॉम में घाटा कम करने की कवायद तेज

वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेरित होने व करने की सलाह

जयपुर, 23 अगस्त। विद्युत वितरण निगमों के अध्यक्ष श्रीमत पाण्डेय ने सोमवार को जयपुर डिस्कॉम के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभी वृत्तों में चालू वित्तीय वर्ष में बिजली की खपत एवं राजस्व वसूली के कार्य की प्रगृति की समीक्षा की एवं विचाराधीन पांच जिलों में लगातार बढ रही बिजली की खपत के बारे में संबंधित अधीक्षण अभियन्ताओं से जानकारी ली तथा बिजली की छीजत में बढोतरी के सम्बन्ध में समालोचना की।

श्री पाण्डे ने कहा कि उदय योजना के लागू होने के पश्चात् निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप घाटे को कम करना ही पड़ेगा इसके लिए बिजली चोरी प्रभावित क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी की सही समय पर बिल तैयार करवाकर उपभोक्ताओं को वितरित किये जाए और खराब मीटरों को तुरन्त बदला जावे।

वीसीआर भरने में दुरूपयोग की शिकायतों के संबंध में अधिकारियों को सलाह दी कि वीसीआर को किसी भी व्यक्ति को परेशान करने का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए बल्कि निगम की उचित बकाया राशि को वसूल करने का साधन बनाये। मीटरों को नही बदलने के कारण उपभोक्ताओं को दी जा रही रियायत के कारण निगम को हुए नुकसान पर चिन्ता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जो भी इसके लिए जिम्मेदार होंगे आगामी समय में उनके वेतन से इसकी वसूली की कार्यवाही की जाएगी।

ऊर्जा विभाग के सलाहकार श्री आर. जी. गुप्ता ने उपलब्ध संसाधनो का पूरा उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को राजस्व वसूली बढाने के लिए अपने सहायकों को भी प्रेरित करने तथा योजनाबद्व तरीके से कार्य करने पर बल दिया।

श्री गुप्ता ने स्पष्ट संकेत दिया कि हालात जल्द ही नही सुधरे तो निगम प्रशासन के सामने कार्य आधारित ऐसीआर भरने और उसी के अनुरूप पदौन्नती करने की योजना लागू करने के अतिरिक्त कोई रास्ता नही बचेगा।

जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक अनिल कुमार बोहरा ने हानि कम करने की योजना की वृत्तवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सलाह दी कि वे अपनी कार्य प्रणाली को सुधारें और समयबद्व तरीके से सभी संसाधनों का उपयोग करते हुए कार्य करें, अन्यथा प्रबन्धन कड़े कदम उठाने पर विवश होगा। उन्होंने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि उदय योजना के अनुसार लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति और राजस्व वसूली के लक्ष्य को सही तरीके से प्राप्त करने में जुट जाए। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीण, शहरी और औद्योगिक फीडर्स पर छीजत कम करने, राजस्व वसूली में सुधार, खराब मीटरों को बदलने, ऐमनेस्टी योजना के तहत बकाया राशि की वसूली और जले हुए ट्रांसफार्मर को निर्धारित समय में बदलने के काम की विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

———————

प्रेस विज्ञप्ति संख्या– 427/2016